नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

ऑनलाइन गेमिंग की बच्चों पर काली छाया

इंदौर में हाल ही में घटित एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया है. महज़ 12 वर्ष का एक बालक, जिसने अभी जीवन की दहलीज़ पर कदम ही रखा था, ऑनलाइन गेमिंग में रु. 3000 हारने के बाद आत्महत्या जैसा भयावह निर्णय ले बैठा. यह बालक 8वीं कक्षा में पढ़ता था और अपनी माँ के मोबाइल फोन पर गेम खेलते हुए यह रकम गंवा बैठा था. जब माँ को पैसों के लेन-देन की जानकारी मिली, तो डाँट की आशंका और अपराधबोध ने उसे इस कदर घेर लिया कि उसने आत्मघाती कदम उठा लिया. दुखद विडंबना यह है कि उस मासूम का जन्मदिन मात्र एक दिन पहले ही पूरे परिवार ने हर्षोल्लास से मनाया था.

यह अकेली घटना नहीं है. भारत में ऑनलाइन गेमिंग, विशेषकर पैसे आधारित गेम, बच्चों और किशोरों को मानसिक रूप से जकड़ते जा रहे हैं. एक अन्य हृदयविदारक घटना उत्तर प्रदेश के आगरा से सामने आई थी, जहाँ 16 वर्षीय एक किशोर ने रु. 40,000 की ऑनलाइन गेमिंग में हानि के बाद आत्महत्या कर ली थी. इसी तरह छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक 13 साल के बच्चे ने बार-बार हारने के कारण फाँसी लगा ली थी. ये घटनाएं अब अपवाद नहीं रहीं – ये एक नई सामाजिक महामारी का संकेत बन गई हैं.

बिना किसी नियमन के संचालित होने वाले ये गेम्स आज के बच्चों के लिए एक डिजिटल ड्रग बनते जा रहे हैं. गेमिंग कंपनियाँ मनोवैज्ञानिक तरीके से बच्चों की आदतों, भावनाओं और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का दोहन करती हैं. एक ओर, ये गेम्स लगातार रिवार्ड्स और इंस्टंट कैश के ज़रिए उन्हें बाँधते हैं, वहीं दूसरी ओर हार की स्थिति में पैदा होने वाली आत्मग्लानि, डर और कुंठा बच्चों को अवसाद और आत्मघात जैसे अतिवादी रास्तों पर ले जाती है.

बच्चे के मोबाइल उपयोग पर पूरी तरह से रोक संभव नहीं, लेकिन सतर्कता ज़रूरी है. माँ-बाप को केवल डाँटने की भूमिका से बाहर निकलकर संवाद और मार्गदर्शन की भूमिका अपनानी होगी. बच्चों को यह सिखाना होगा कि हार-जीत जिंदगी का हिस्सा है और गलती करना अपराध नहीं. मोबाइल की पासवर्डिंग या फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन्स पर नियंत्रण जैसी तकनीकी सावधानियाँ भी ज़रूरी हैं.

सरकार ने कुछ कदम ज़रूर उठाए हैं. हाल ही में केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कुछ रियल मनी गेमिंग एप्स और पोर्नोग्राफी से संबंधित सामग्री को प्रतिबंधित किया है. परंतु बच्चों के लिए आकर्षक, हिंसात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से नुकसानदायक गेमिंग ऐप्स को लेकर ठोस कानून, उम्र आधारित नियंत्रण और अभिभावकों के लिए दिशा निर्देश समय की माँग हैं.

हर बार जब हम इस तरह की ख़बर पढ़ते हैं, तो हमें यह आत्मावलोकन करना चाहिए कि क्या हम अपने बच्चों को केवल डाँटकर, मोबाइल छीनकर या चुप करा कर उनकी समस्याओं को हल कर पा रहे हैं? या फिर हमें उनके साथ बैठकर बात करने, उनकी भावनाओं को समझने और उन्हें डिजिटल युग की सकारात्मकता से जोड़ने की ज़रूरत है?

यह केवल आत्महत्या की एक दुखद घटना नहीं है, यह एक चेतावनी है – कि कहीं हम अपने बच्चों को हार के डर में जीना तो नहीं सिखा रहे? कुल मिलाकर यह एक गंभीर और संवेदनशील विषय है. इस पर व्यापक जन जागरण जरूरी है. इस संदर्भ में केवल सरकारी प्रतिबंध पर्याप्त नहीं हैं, पारिवारिक जागरुकता, खास तौर पर माता-पिता का सतर्क रहना बेहद ज़रूरी है. बच्चों को मोबाइल गेम की बजाय मैदानी खेलों की आदत डालना एक बेहतर उपाय हो सकता है.

माले गाँव विस्फोट के निर्दोषों की पीड़ा

आचार्य गौरव शर्मा, शिमला

राष्ट्रीय जांच एजेंसी की विशेष अदालत ने मालेगांव बम विस्फोट मामले में सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया है. कोर्ट ने बाइक साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के मामले में कोई ठोस सबूत नहीं मिलने की बात कही है.इस मामले में लगाए गए गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के आरोप साबित नहीं हुए हैं.

मालेगांव विस्फोट कांड की जांच करने वाली एटीएस टीम का हिस्सा रहे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी महबूब मुजावर ने एनआइए कोर्ट को बताया है कि उन्हें उस टीम में रहते हुए कुछ ऐसे काम करने को कहा गया, जिनका मालेगांव कांड से कोई वास्ता ही नहीं था.

ऐसे ही कामों में से एक था- तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नए-नए सरसंघचालक बने मोहन भागवत को गिरफ्तार करना यह केवल साध्वी प्रज्ञा सिंह अथवा कर्नल पुरोहित की जीत नहीं, अपितु सत्य की विजय है – वह सत्य जो वर्षों से कांग्रेस द्वारा गढ़े गए हिंदू आतंकवाद के झूठे नैरेटिव के विरुद्ध संघर्षरत था.

वोटबैंक की राजनीति हेतु कांग्रेस ने हिंदू आतंकवाद जैसे भ्रामक शब्द का सहारा लेकर देश के बहुसंख्यक शांतिप्रिय हिंदू समुदाय को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का षड्यंत्र रचा.

17 साल के इंतजार के बाद, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत गुरुवार को 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में अपना फैसला सुनाया. कोर्ट ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया है.. यह उस सत्य की पुनर्प्रतिष्ठा है, जिसे कांग्रेस की कुटिल सत्ता ने साजिश, संदेह और सुनियोजित अपकीर्ति के अंधकार में कैद रखने का षड्यंत्र रचा था.

यह कांग्रेस के उस चरित्र का पर्दाफ़ाश है, जो सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए न्याय को कुचलने, राष्ट्र को कलंकित करने और साधु-सैनिकों की संपूर्ण साधना को अपमानित करने से भी नहीं हिचकिचाया. यह एक दुस्साहसी दुष्चक्र के ध्वंस का आरंभ है.

कांग्रेस की यह कुनीति कोई चूक नहीं थी, यह एक सुविचारित साजिश थी, भारत की मूल चेतना को कलंकित करने का षड्यंत्र था. एक सोची-समझी रणनीति थी, जिसकी जड़ें देश के सांस्कृतिक मर्म को काटने के लिए बोई गई थीं. राहुल गांधी ने अमेरिका के राजदूत से कहा था कि हिंदू आतंक लश्कर से भी बड़ा खतरा है. क्या आज राहुल गांधी और कांग्रेस राष्ट्र से क्षमा मांगेंगे?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस निर्णय को न केवल न्याय का उद्घोष कहा, बल्कि भारतविरोधी नैरेटिव के विध्वंस के रूप में देखा. मालेगांव विस्फोट प्रकरण में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना सत्यमेव जयते की सजीव उद्घोषणा है. यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को पुन: उजागर करता है, जिसने भगवा आतंकवाद जैसा मिथ्या शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों और राष्ट्रसेवकों की छवि को कलंकित करने का अपराध किया है. कांग्रेस को अपने अक्षम्य कुकृत्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए देश से माफी मांगनी चाहिए. साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी समेत सभी अभियुक्त, ये वे नाम हैं, जिन्होंने वर्षों तक जेल की सलाखों के पीछे सत्ता की सनक की कीमत चुकाई.

कठोर यातनाओं के चलते साध्वी प्रज्ञा का स्वास्थ्य चिरकालिक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ. साध्वी प्रज्ञा आज भी जब बोलती हैं, उनकी आवाज में वह पीड़ा झलकती है जो एक राजनीतिक प्रहार और कूटनीतिक कारावास की परिणति है. एक महिला संन्यासिनी को हिंदू होने की सजा दी गई, उन्हें अदालतों में घसीटा गया, परिजन तोड़े गए, मनोबल मारा गया. लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित जो भारतीय सेना में आतंक-निरोधी अभियानों में सहभागी थे, देश के प्रति समर्पित फौजी थे, उन्हें बिना किसी ठोस साक्ष्य के 9 वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया. इन सबकी पीड़ा, उनके मौन, उनकी कराह और समाज की चुप्पी, यह भारत के लोकतंत्र पर अनुत्तरित प्रश्नचिह्न की भांति अटक गई थी.

आज निर्दोष साबित होने पर क्या कांग्रेस उनके खोए हुए सम्मान, जीवन के लुटे हुए वर्ष, और अपमानित अस्तित्व का प्रायश्चित कर सकती है? क्या कांग्रेस भारत की सभ्यता से यह कहेगी कि 'हां, हमने तुम्हें बदनाम किया, क्योंकि तुम्हारा भगवा हमें असहज करता था'? इस ऐतिहासिक निर्णय में जब विशेष अदालत ने स्पष्ट कहा कि %इन अभियुक्तों के विरुद्ध कोई विश्वसनीय प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका तो यह केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि कांग्रेस की वैचारिक विफलता का अभिलेख है.

भगवा पर षड्यंत्र का भार

2008 में मालेगांव विस्फोट की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को सत्ता की सियासत ने न्याय के विमर्श से हटा कर केवल एक राजनीतिक प्रयोगशाला बना डाला. जो भगवा युगों से त्याग, तपस्या और तेजस्विता का प्रतीक है, उसे आतंक का पर्याय ठहराने की कपटी कोशिश की गई. भगवा आतंकवाद ये वो शब्द था, जिसे चुनावी लाभ के लिए कांग्रेस ने गढ़ा, मीडिया ने गाया और सियासत ने देश की आत्मा पर थोप दिया. इस जुमले में न केवल भाषा की मर्यादा टूटी, अपितु राष्ट्र की आत्मा भी आहत हुई.

विंध्य की डायरी

राजनीतिक नियुक्तियों में क्या विंध्य को मिलेगा मौका?

डॉ. रवि तिवारी

प्रदेश में डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में बनी सरकार के दो साल पूरे होने वाले हैं. विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव में भी विंध्य ने प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रति जिस प्रकार से पूर्ण समर्थन व्यक्त किया है, उसके बाद से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रदेश में होने वाली राजनैतिक नियुक्तियों में विंध्य को विशेष महत्व मिल सकता है. इसके लिए सक्षम नेताओ ने अपनी पूरी ताकत लगा रखी है. मुख्य धारा से अलग हुए बड़े नेताओं को जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद है, जल्द ही नामो की सूची बाहर आयेगी. निगम मंडल और प्राधिकरण में विंध्य के किन नेताओ को जिम्मेदारी मिल सकती है कुछ कहा नही जा सकता. लेकिन कुछ नामो पर चर्चा जरूर है. पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व ने इस मामले में प्रदेश के मुखिया को पूर्ण स्वतंत्रता दे रखी है. इस संदर्भ में भी देखना होगा कि वह क्या निर्णय लेते हैं. विंध्य विकास प्राधिकरण और चित्रकूट विकास प्राधिकरण, सिंगरौली विकास प्राधिकरण है, इसके अलावा भी प्रदेश के कई निगम मंडल ऐसे हैं जिनके जिम्मेदारो के नाम अभी तक तय नहीं हो पाए. महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पाने के लिये विंध्य के कई नेता अपने स्तर पर जोर लगाना शुरू कर दिये है. सत्ता, संगठन के बीच तालमेल बनाकर ही नामो की घोषणा होगी. निगम मंडल में विंध्य के नेताओ को स्थान मिलेगा कुछ कहा नही जा सकता है. संगठन से सत्ता की इस पहली सीढ़ी में चढने के लिए तैयार बैठे नेता भी फिलहाल चुप्पी साधे हुए हैं. अब देखना यह है कि किसको कहाँ मौका मिलता है. नगर निगम, नगर परिषद में एल्डरमैन बनने के लिये भी कई नेता गणेश परिक्रमा कर रहे है.

आंदोलन की राह में कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी को बैठे बैठाए मुद्दे मिल जाते है पर उसे भुना नही पाती. फिर चाहे खाद-बीज की समस्या हो या बिजली की. जिले में किसान खाद की समस्या से जूझ रहा है अन्नदाता को खाद नही मिल रही है, सहकारी समितियों से खाद गायब है, ट्रांसफार्मर जले हुए है. अब कांग्रेसियो को किसानो की सुध आई है. जब खाद और बीज की बोनी के समय आवश्यकता थी उस समय कांग्रेस नेता सो रहे थे अब सावन की विदाई में आंदोलन की राह पर है. बढ़ते अपराध सहित विभिन्न मुद्दो को लेकर कांग्रेस सडक़ पर उतरेगी. जब समय था उस समय नेताजी मुंह में दही जमाकर बैठे थे और अब इन्हे जनता की सुध आई है. स्थानीय जन मुद्दो को लेकर कभी कांग्रेस मुखर नही होती है. जबकि ऐसे मुद्दो को लेकर सरकार को घेर सकती है पर समय निकलने के बाद लाठी पीटना कांग्रेस की पुरानी आदत है.

पूर्व विधायक को अनुशासन का पाठ

भारतीय जनता पार्टी अनुशासन की कसौटी पर खरी उतरने वाली पार्टी मानी जाती है फिर जब पार्टी के विधायक या पूर्व विधायक अनुशासन की सीमा को लांघ जाए तो ऐसे में संगठन को आगे आना ही पड़ता है. जब से प्रदेश अध्यक्ष की कमान हेमंत खंडेलवाल ने सम्भाली है तब से अनुशासन को लेकर संगठन बेहद सख्त है. कई नेताओं पर कार्यवाई भी हो चुकी है. गत सप्ताह रीवा में महिला सीएसपी को लेकर की गई टिप्पणी से नाराज भाजपा प्रदेश संगठन ने सेमरिया से पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी को तलब किया और खरी-खोटी सुनाते हुए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने क्लास ली और अनुशासन का पाठ पढ़ाते हुए साफ शब्दो में कहा अनुशासन ही भाजपा की पूंजी है. पूर्व विधायक को समझाश दी गई कि भविष्य में ऐसा व्यवहार न करे जिससे पार्टी और खुद की छवि खराब हो.

कोरोना काल का घोटाला पहुंचा विधानसभा में

सतना जिले में कोरोना काल के दौरान टीकाकरण सहित अन्य कार्यो के नाम पर किये गये करोड़ो के गोलमाल का मामला विधानसभा पहुंचा है. अमरपाटन से कांग्रेस विधायक डा0 राजेन्द्र सिंह द्वारा ध्यानाकर्षण के माध्यम से पूरे मामले की जांच कराकर कार्यवाई की मांग की है. सतना ही नही बल्कि कई जिलो में कोरोना के दौरान भारी अनियमितता हुई थी, यह बात और है कि मामला शिकायतो तक ही सीमित रह गया.

नॉनवेज कैसे हो गया अमेरिकी दूध!

अमेरिका को भारत की संस्कृति व जीवनमूल्यों की समझ नहीं है या वह समझना नहीं चाहता. प्रेसीडेंट ट्रंप की जिद है कि भारत अमेरिका से कृषि उत्पाद के अलावा डेयरी प्रोडक्ट आयात करे. इसमें मक्खन, पनीर, योगर्ट, मिल्क शेक आदि का समावेश है. अमेरिका में दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए गाय को उसका स्वाभाविक शाकाहारी चारा न देकर मछली, चिकन, सुअर का मांस तथा अन्य चीजें मिलाकर बनाया गया पौष्टिक प्रोसेस्ड काऊ फूड खिलाया जाता है. सभी जानते हैं कि गाय, भैंस, बकरी, भेड़, हाथी, घोड़ा शाकाहारी जीव होते हैं लेकिन विदेशी इस बात को नजरअंदाज करते हैं.

हिंसक प्राणियों जैसे शेर, सिंह, भेड़िया, लोमड़ी आदि मांसाहारी होते हैं. खुरवाले पालतू मवेशियों और पंजेवाले जंगली जानवरों का खानपान अलग होता है. भारत में दूध घर-घर में दैनिक उपयोग की वस्तु है. व्रत उपवास में भी दूध व उससे बने पदार्थों का सेवन किया जाता है. मिठाइयां दूध से बनती हैं. पूजा-पाठ के दौरान दूध का उपयोग होता है. भगवान की

प्रतिमा को दुग्ध स्नान कराया जाता है तथा दूध से बने पदार्थों का भोग लगाया जाता है.

परंपरागत रूप से हिंदू और जैन शाकाहारी होते हैं. वह अमेरिका से आए नानवेज दूध को क्यों स्वीकार करेंगे? इससे भी आगे बढ़कर आजकल वीगन डाइट चल पड़ी है जिसमें मवेशियों से संबंधित कोई पदार्थ नहीं खाया जाता. वीगन डाइट वाले दूध व उससे बनी चीजों को भी ग्रहण नहीं करते. यदि बात मुसलमानों की आए तो वह भी ऐसा दूध या डेयरी प्रॉडक्ट लेना पसंद नहीं करेंगे.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

यात्री, एयरलाइन दोनों का कसूर जाना था दिल्ली, पहुंचा भुवनेश्वर

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान सेवा में भी कमाल हो गया. श्रीनगर से फ्लाइट में सवार हुए एक यात्री को दिल्ली में उतरना था लेकिन वह ओडिशा के भुवनेश्वर पहुंच गया. हमने कहा, च्इसी बात को लेकर फिल्म चलती का नाम गाड़ी का गाना था-जाते थे जापान, पहुंच गए चीन, समझ गए ना! लोग जमीन पर ही नहीं, आसमान में भी रास्ता भटक जाते हैं. एक अन्य गीत है- मुसाफिर हूं यारो, ना घर है ना ठिकाना, मुझे चलते जाना है, बस यूं ही चलते जाना!

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, आप गलत समझ रहे हैं. उस यात्री की मंजिल तय थी. उसने श्रीनगर से दिल्ली का टिकट लिया था. जब बाकी सभी यात्री दिल्ली एयरपोर्ट पर उतर गए तो उसे भी वहां उतर जाना चाहिए था. शायद वह अपनी सीट पर सोता रह गया होगा. वही विमान अगली फ्लाइट से दिल्ली से भुवनेश्वर रवाना हो गया. यात्री को तब होश आया जब वह ओडिशा पहुंच चुका था.

हमने कहा, ट्रेन में भी ऐसा होता है कि झपकी लग जाने

से यात्री को पता ही नहीं चलता कि उसका स्टेशन आ गया. ट्रेन चल पड़ती है तो वह आगे पहुंच जाता है. इसमें गलती यात्री की है. उसे सजग रहना चाहिए.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, ट्रेन की बात अलग है. यहां गलती एयरलाइन की है. उसके कर्मचारियों को दिल्ली में चेक कर लेना चाहिए था कि सारे यात्री विमान से नीचे उतरे हैं या नहीं. इसके बाद अगली फ्लाइट छोड़नी चाहिए थी. यात्रियों के बोर्डिंग पास व लगेज की जांच हो तो ऐसी गलती नहीं हो सकती.

हमने कहा, बगैर ज्यादा चार्ज दिए उस यात्री को मुफ्त में भुवनेश्वर जाने का मौका मिल गया. अपनी गलती समझने के बाद एयरलाइन उसे वापस दिल्ली ले आई होगी. इस घटना के बाद यात्री को भी अक्ल आ गई होगी कि सही ठिकाने पर उतरना चाहिए नहीं तो ऐसी भूल भुलैया हो जाती है. यदि फिर भी उसका दिमाग काम न करे तो वह गा सकता है- मैं राही अनजान राहों का, नाम मेरा अनजाना! जिंदगी में कितने ही लोग अपनी राह भटक जाते हैं. कन्फ्यूजन होने पर वे गाने को मजबूत होते हैं- जाएं तो जाएं कहां, समझेगा कौन यहां दिल की जुबां !

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11982 - डॉ. सागर खादीवाला

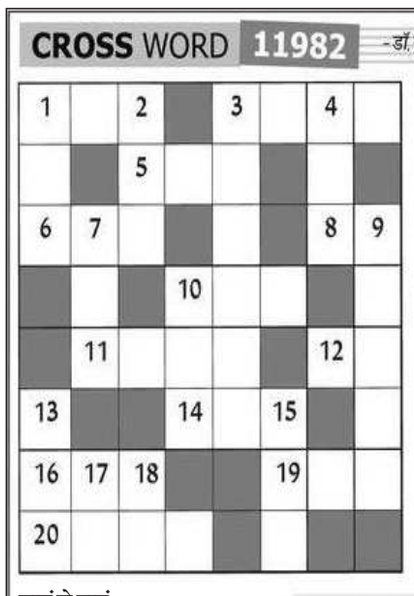

ऊपर से नीचे
1. सुंदर गति युक्त, उत्तम चालवाला 2. गहरा 3. तितली (सं.) 4. चांदी, स्पा, सफेद (सं.) 7. शरण (उर्दू) 9. वह स्त्री जिसे अपने रूप पर गर्व हो 10. अनोखा, हिंदी के एक छायावादी कवि 13. संचरण, चलाने की क्रिया 15. युवा, जवान 17. सेना, फौज 18. मौत, मृत्यु (उर्दू)

बाएं से दाएं
1. षड्यंत्र या अपराध आदि का गुप्त रूप से लगाया हुआ पता, टोह 3. दोष या विकृति दूर होना, बिगड़े हुए का बनना, दुरुस्त होना 5. स्नानागार (उर्दू) 6. धूप, ताप, गर्मी 8. वृक्ष, पेड़ 10. घना, निर्जन 11. साथ चलने वाला 12. आश्चर्यचकित, स्तब्ध 14. वह व्यय जो किसी वस्तु को बनाने में खर्च होता है 16. चतुर, धूर्त 19. नीरसता, रुखापन 20. मुसलमानों का पवित्र माह

Solution 11981

ज	ग	न्ना	थ	■	प	पी	ता
म	ति	■	ल	प	ल	पा	ना
शे	■	नि	थ	र	ना	■	शा
द	ल	■	ला	ख	■	सा	ही
■	ट	री	ना	■	प	र्व	■
श	क	■	■	द	र	ज	न
ब	ना	ब	न	■	■	नि	त
री	■	न	ब	सु	ब	क	■

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यवसायिक कार्यो में परिश्रम अधिक करना पडेगा. व्यय और संतान की चिन्ता से मन अशांत रहेगा. वाणी में कठोरता तथा प्रियजनों के प्रति उदासीनता रहेगी. मान सम्मान के प्रति सचेत रहें. वर्ष के मध्य में सत्ता पक्ष से सुख मिलेगा. प्रभाव बना रहेगा. राजकीय सम्मान की प्राप्ति का योग है. वर्ष के अन्त में प्रतिष में वृद्धि होगी. भाईयों का सहयोग रहेगा. नवीन कार्यो के प्रति रूचि रहेगी. मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. भाईयों का सहयोग मिलेगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों के लिये व्यवसायिक कार्यो में परिश्रम अधिक करना पडेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को सत्ता पक्ष से लाभ मिलेगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को संतान पक्षर की चिन्ता रहेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को नियमितता का ध्यान रखना होगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्ति का योग है. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को स्वास्थ्य संबंधी पीड़ा हो सकती है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक मिलनसार, धैर्यवान, न्यायप्रिय, परोपकारी व धार्मिक प्रवृत्ति का होगा. शिक्षा उत्तम रहेगी. लेखन तथा रचनात्मक कार्यों में रूचि रहेगी. प्राय: इंजीनियरिंग, वायुयान संबंधी तकनीकी कार्यों में सफ्ल होते हैं. इनकी अध्ययन में विशेष रुचि रहती है.

उदयकालीन ग्रह चाल

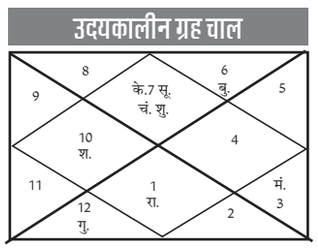

पंचांग

रा.मि. 13 संवत् 2082 श्रावण शुक्ल दशमीं चन्द्रवासरे दिन 9/52, अनुराधा नक्षत्रे दिन 8/44, ब्रह्म योगे दिन 7/37, गर करणे सू.उ. 5/26 सू.अ. 6/34, चन्द्रचार वृश्चिक,शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

व्यापार भविष्य

श्रावण शुक्ल दशमीं को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से कपास, रूई में उछाल होगा. सोना, चांदी मंदी होगी. गुड, खांड के भाव में धीरे धीरे समानता आयेगी. हाजिर मार्केट में आज के बने भाव महत्वपूर्ण रहेंगे. भाग्यांक 3720 है.

मेष- मन में किसी अज्ञात भय की स्थिति दूर होगी. दिन अच्छा रहेगा. संयम से काम लेना आपके लिये हितकर रहेगा. मित्रता उपयोकी सिद्ध होगी.

वृषभ- धार्मिक कार्यों में रूझान से दान धर्म में धन खर्च होगा. पारिवारिक क्लेश तथा चिंता का निवारण होगा. मानसिक रूप से स्थिति समाधान पूर्ण साधारण रहेगी.

मिथुन- व्यस्तता के कारण थकान महसूस करेंगे. स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें. संपत्ति विवाद हल होगा. सुख एवं यश मिलेगा. शांति एवं संयम बना रहेगा.

कर्क- संतान पक्ष की ओर से थोड़ी परेशानी रहेगी. माता पिता को कष्ट हो सकता है. धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी. स्वजनों का सहयोग कार्य पूर्ण करने में सहायक रहेगा.

सिंह- धर्म कर्म व पूजा पाठ में रूचि बढ़ेगी. धार्मिक यात्रा के योग हैं. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी लाभदायक रहेगी. मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी. शुभ समाचार मिलेगा.

कन्या- व्यवसाय के प्रति सतर्क रहें. कार्य बिगड़ सकता है. कार्यक्षेत्र में वैचारिक मतभेद होंगे. नये सुखद अनुबंध होंगे. परिश्रम की अधिकता रहेगी.

तुला-बनते कार्य बिगड़ सकते हैं. परिस्थितियों से सामना करने में सफ्लता मिलेगी. अभीष्ट कार्यों की प्राप्ति होगी. कामकाज समय पर पूरा होगा. मान सम्मान बढ़ेगा.

वृश्चिक- चिंता करने की जरूरत नहीं है, स्थिति अनुकूल रहेगी. सामाजिक कार्यों में यश और कीर्ति प्राप्त होगी. अधिकारी वर्ग आपकी मदद करेंगे.

धनु- पद के अनुरूप कार्य प्रणाली लाभदायक सिद्ध होगी. भाग्योदय समाचार प्राप्त होगा. मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी. श्रेष्ठजनों व गुरूजनों का मार्गदर्शन मिलेगा.

मकर- अपने महत्व के कार्य बना सकते हैं. धर्म कर्म व अध्यात्म में मन लगेगा. अज्ञात भय तथा चिंता रह सकती है. दैनिक कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा.समय व्यर्थ न गवायें.

कुम्भ- अचानक किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने के लिये तैयार रहना होगा. व्यापार व्यवसाय की स्थिति में सुधार होगा. स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें. क्रोध में निर्णय न करें.

मीन- उच्चाधिकारियों से तनावग्रस्त रहने की संभावना है. परिवार में सुख समृद्धि में वृद्धि होगी. स्वजनों से मुलाकात हो सकती हैं यश, मान सम्मान प्राप्त होने का योग है.

SUDOKU 7114

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7113

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6